भारत-नेपाल सीमा पर रेलवे यातायात का पुनरारम्भ

338. श्री भोगेन्द्र झा : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वोत्तर रेलवे पर सुपौल और निर्मली रेलवे स्टेशनों के बीच रेलवे लाइन कोसी नदी की धारा से क्षतिग्रस्त हो गई थी ;

(ख) क्या नेपाल सीमा पर स्थित होने के कारण तथा दरभंगा और सहरसा जिले को विशेषकर सहरसा के दो भागों को मिलाने के लिए इस लाइन पर यातायात पुन: प्रारम्भ करने का विचार है ;

(ग) क्या कोसी बांध के निर्माण से इस लाइन पर यातायात फिर से प्रारम्भ करना सम्भव हो गया है; और

(घ) यदि हां तो क्या सरकार का विचार विचार निर्मली और सुपौल अथवा निर्मली और बथनाहा-बीरगंज के बीच की रेलवे लाइनों को मिलाने का है ?

रेलवे मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) : (क) कोसी नदी के उस पार निर्मली और और दूसरी ओर भापतियाही के रास्ते सुपौल के बीच जो पुरानी लाइन थी वह 1ं37–38 में कोसी नदी की बाढ़ से बह गयी थी जिसकी वजह से उस मार्ग को छोड़ दिया गया था।

(ख) पुराने मार्ग के एक भाग में सुपौल और थरबीटा (12.78 किलोमीटर) के बीच फिर से लाइन बिछाने का काम हाल ही में शुरू किया गया है और काम जारी है।

(ग) यद्यपि कोसी नदी की बाढ़ से बचाव के लिए बनाये गये बांधो के जरिए नदी की धारा को बहुत कुछ नियन्त्रित किया जा चुका है फिर भी, इस क्षेत्र में लाइन का आगे और पुनर्निर्माण करने का निर्णय करने से पहले कुछ वर्षों तक सुपौल-थरबीटा भाग में लाइन के पुनर्निर्माण के बाद उस की निगरानी और अध्ययन करने का विचार है।

(घ) इस तरह का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

चकिया स्टेशन पर चाय की दुकान

339. श्री कमला मिश्र मधुकर : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पूर्वोत्तर रेलवे के चकिया स्टेशन पर चाय की दुकान सरकारी खर्च पर बनाई गई थी ;

(ख) यदि हां, तो इसका उपयोग किस कार्य के लिए किया जा रहा है ;

(ग) यदि उसका उपयोग चाय की दुकान के रूप में नहीं किया जा रहा, तो इसके क्या कारण हैं, और

(घ) चाय की दुकान के रूप में इसका उपयोग करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

रेलवे मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) : (क) जी हां।

(ख) और (ग). चाय की यह दूकान अगस्त, 1962 में खोली गयी थी। मई, 1965 तक, अलग-अलग अवधि के लिए, इसे दो ठेकेदारों ने चलाया। बिक्री बहुत कम होने के कारण ठेकेदारों ने इस का ठेका छोड़ दिया। फरवरी, 1966 में नियुक्त किये गये तीसरे ठेकेदार ने इसी कारण से काम शुरू नहीं किया और फिलहाल दूकान खाली पड़ी है।

(घ) इस दूकान को चलाने के लिए नयी अर्जियां मंगाने के लिए आवश्यक अधिसूचना फिर से जारी की जा रही है।

रेलवे कर्मचारियों को रात्रि में काम करने के लिये भत्ता

340. श्री रामावतार शास्त्री : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे प्रशासन रात्रि के समय कार्य पर लगाये गये बुकिंग क्लर्कों, ड्राइवरों, फिटरों और खलासियों को रात्रि में काम करने का भत्ता देता है ;